दिनांक :  .२.२०१९

सेवा में,

माननीय प्रधानमंत्री,
भारत सरकार, नई देहली ११००११.

**विषय : धर्मांधों के अत्याचारों से विस्थापित हुए बर्मामाइन्स (जमशेदपुर) के हिन्दू परिवारों का तत्काल पुनर्वास कर पुलिस सुरक्षा देने के संबंध में ....**

महोदय,

जमशेदपुर के बर्मामाइन्स से ४३ हिन्दू परिवारों के लगभग ४०० हिन्दुओं ने धर्मांधों की धमकियों से डरकर पलायन किया है । इन हिन्दुओं को धर्मांध धमकी दे रहे हैं कि 'यहां से पुलिस हटने पर पता चलेगा कि हम कौन हैं ?' कुछ दिन पहले बर्मामाइन्स में हिन्दू-मुसलमान दंगे हुए थे । उस समय मुसलमानों ने हिन्दुओं के घर लूट लिए थे । इससे वहां के हिन्दू भयभीत हैं । इसी पद्धति से कश्मीर में पाकप्रेमी धर्मांध मुसलमानों ने हिन्दुओं को भगाया और असम में बांगलादेशी घुसपैठिए मुसलमानों ने हिन्दुओं को खदेडा । इतना ही नहीं, उत्तर प्रदेश के कैराना में भी इस प्रकार की घटनाएं हुई हैं । उसी प्रकार की घटना आजकल जमशेदपुर में हो रही है । इस परिस्थिति की ओर तुरंत ध्यान देकर उचित कार्यवाही केंद्र शासन करे, अन्यथा जिस प्रकार कश्मीर से हिन्दू विस्थापित हुए हैं, उसी प्रकार जमशेदपुर के हिन्दुओं को विस्थापित होना पडेगा । भारत के हिन्दुओं को भारत में ही विस्थापित होना पडे, तो यह हिन्दूबहुल भारत के लिए दुर्भाग्यपूर्ण कहा जाएगा ।

*** इस विषय में हम आपको कुछ और बातें विस्तार से बताना चाहते हैं, जो इस प्रकार हैं –**

१. बर्मामाइन्स के विधायक पवन अग्रवाल और पुलिस अधीक्षक ने स्थानीय हिन्दुओं से कहा है कि 'हम आपको सुरक्षा देंगे, आपलोग घर छोडकर मत जाइए ।' इसके साथ ही वहां बडी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है । फिर भी, हिन्दुओं को पुलिस की बातों पर विश्वास नहीं हुआ और वे घरों को ताले लगाकर चले गए ।

२. वहां से पलायन किए हुए हिन्दुओं ने कहा है कि जबतक धमकियां देनेवाले आरोपियों को पुलिस नहीं पकडती, तबतक हम घर नहीं लौटेंगे ।

३. जनता की रक्षक कही जानेवाली पुलिस से अपेक्षा थी कि वह अत्याचार से पीडित नागरिकों की शिकायतों का संज्ञान लेकर अपराधियों को तुरंत बंदी बनाएगी; परंतु ऐसा नहीं हुआ ।

४. वर्ष १९९० में कश्मीर घाटी के हिन्दुओं पर जिहादी आतंकवादियों ने आक्रमण कर, ९० सहस्त्र हिन्दुओं की हत्या की थी, सहस्त्रों महिलाओं से बलात्कार किया था, हिन्दुओं के घर और संपत्ति छीन कर साढेचार लाख से अधिक हिन्दुओं को कश्मीर ने भगा दिया था । उन विस्थापित हिन्दुओं का २८ वर्ष पश्चात भी पुनर्वास नहीं हो पाया है ।

५. असम के मुसलमानबहुल जनपदों में दंगे कर, हिन्दुओं को लक्ष्य किया जा रहा है । वर्ष २०१२ में ११ जनपदों में हुए भीषण दंगों में ५०० गांव जला दिए गए थे, जिससे दो लाख से अधिक बोडो हिन्दुओं को निर्वासित होना पडा था । उन हिन्दुओं को भी अभीतक न्याय नहीं मिला है ।

६. बंगाल में भी मुसलमानबहुल क्षेत्रों के हिन्दुओं पर आक्रमण होने की घटनाएं लगातार बढ रही हैं । वहां के भी हिन्दुओं को गांव छोडकर भागना पड रहा है ।

७. धर्मांधों के हिन्दुओं पर आक्रमण इसी प्रकार होते रहे, तो एक दिन ऐसा भी आ सकता है जब हिन्दूबहुल इस देश में हिन्दू अल्पसंख्य हो जाएंगे ।

*** अतः, इस विषय में हमारी आपसे निम्नांकि मांगें हैं ...**

१. बर्मामाइन्स (जमशेदपुर) में दंगा करनेवाले और धमकियां देनेवाले धर्मांधों पर तथा वहां की कानून-व्यवस्था बिगाडने के लिए उत्तरदायी सभी सरकारी तंत्रों के विरुद्ध तुरंत कठोर कानूनी कार्यवाही की जाए ।

२. इस हिंसक घटना के पीछे किसका हाथ है, इसका पता लगाने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की जाए ।

३. इस प्रकरण में केंद्र सरकार तुरंत हस्तक्षेप कर हिन्दुओं की रक्षा करे और उन्हें न्याय दिलाए ।

४. बर्मामाइन्स के निवासी अल्पसंख्य हिन्दुओं को तुरंत पुलिस सुरक्षा दी जाए और धर्मांधों के भय से घर छोडकर भागे हिन्दुओं को पुनः बसाने के लिए कालबद्ध कार्यक्रम चलाया जाए ।

आपका विश्वपात्र,

(संपर्क : )